प्रारंभिक परीक्षा

आइवरमेक्टिन(Ivermectin)

संदर्भ

मलेरिया उन्मूलन के लिए आइवरमेक्टिन एक आशाजनक पूरक उपकरण के रूप में उभर रही है।

आइवरमेक्टिन के बारे में -

- **प्रकार**: परजीवी-रोधी दवा
- **उत्पत्ति**: 1970 के दशक में खोजी गई; पहली बार पशु चिकित्सा में प्रयोग किया गया।
    - बाद में मानव द्वारा इसका उपयोग किया गया:
        - नदी जनित अंधता (Onchocerciasis) के उपचार में।
        - लसीका फाइलेरिया (Lymphatic Filariasis) के उपचार में।
        - कई अन्य परजीवी संक्रमणों के विरुद्ध प्रभावी।

स्रोत: द हिंदू

HIRE अधिनियम

संदर्भ

संयुक्त राज्य अमेरिका ने **एक नया विधायी प्रस्ताव** पेश किया है जिसे **'हॉल्टिंग इंटरनेशनल रिलोकेशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट (HIRE) अधिनियम'** के नाम से जाना जाता है।

HIRE अधिनियम (2025) क्या है?

- **उद्देश्य: अमेरिकी कम्पनियों को विदेशों में नौकरियां आउटसोर्स करने से हतोत्साहित करना तथा घरेलू रोजगार सृजन को बढ़ावा देना।**
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **उत्पाद शुल्क(Excise Tax):** यदि सेवाएं अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए लाभदायक हों तो अमेरिकी व्यवसायों द्वारा विदेशी सेवा प्रदाताओं को किए गए भुगतान पर 25% उत्पाद शुल्क लगाया जाता है।
  - **कर का दायरा:** यह "आउटसोर्सिंग भुगतान" पर लागू होता है, जैसे कि अमेरिकी उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने वाली सेवाओं के लिए विदेशों में भुगतान किए गए शुल्क, रॉयल्टी, प्रीमियम या सेवा शुल्क।
    - यदि सेवाओं से अमेरिकी और विदेशी उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होता है, तो कर केवल अमेरिकी हिस्से पर ही लागू होगा।
  - **विदेशी व्यक्ति की परिभाषा:** कोई भी गैर-अमेरिकी निवासी, अमेरिकी क्षेत्रों में पंजीकृत संस्थाओं को छोड़कर।
  - **रिपोर्टिंग आवश्यकता:** अमेरिकी कंपनियों को आउटसोर्सिंग लेनदेन की रिपोर्ट ट्रेजरी विभाग को देनी होगी।
  - **दंड:** अनुपालन न करने पर दंड में भारी वृद्धि:
    - 0.5% प्रति माह से बढ़ाकर 50% प्रति माह कर दिया गया है, जिसमें सामान्य 25% जुर्माना सीमा हटा दी गई है।
    - भुगतान किये गये उत्पाद शुल्क को कटौती योग्य व्यय के रूप में दावा नहीं किया जा सकता।
  - **निधि निर्माण:** अमेरिकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण और पुनः कौशल प्रदान करने के लिए राजस्व को घरेलू कार्यबल निधि(Domestic Workforce Fund) में पुनर्निर्देशित किया गया।

स्रोत: द हिंदू

नए रामसर स्थलों का जुड़ना

संदर्भ

बिहार से 2 नए रामसर स्थल (गोकुल जलाशय और उदयपुर झील) जोड़े गए हैं।

नई साइटों के बारे में -

- **गोकुल जलाशय:**
  - बक्सर, बिहार में स्थित है।
  - यह स्थल गंगा नदी के दक्षिणी किनारे पर एक गोखुर झील है।
- **उदयपुर झील:**
  - पश्चिम चंपारण, बिहार में स्थित है।
  - यह स्थल एक प्रकार की गोखुर झील है, जो उदयपुर वन्यजीव अभयारण्य के घने जंगल से घिरी हुई है।
  - इस आर्द्रभूमि में 280 से अधिक पौधों की प्रजातियां पनपती हैं, जिनमें एलिसिकार्पस रोक्सबर्गियानस भी शामिल है, जो भारत में पाई जाने वाली एक बारहमासी जड़ी-बूटी है।
  - यह आर्द्रभूमि लगभग 35 प्रवासी पक्षी प्रजातियों के लिए एक महत्वपूर्ण शीतकालीन निवास स्थान है, जिसमें संकटग्रस्त कॉमन पोचार्ड भी शामिल है।

रामसर कन्वेंशन -

- **यह यूनेस्को के अंतर्गत एक अंतर-सरकारी संधि है।**
- यह आर्द्रभूमियों और उनके संसाधनों के संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग के लिए रूपरेखा प्रदान करती है।
- **इस पर 2 फरवरी, 1971 को रामसर (ईरान) में हस्ताक्षर किए गए थे। (विश्व आर्द्रभूमि दिवस)**
- **रामसर कन्वेंशन के भागीदार:** बर्डलाइफ इंटरनेशनल, आईयूसीएन, वेटलैंड्स इंटरनेशनल, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ, अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान, वाइल्डफाउल एंड वेटलैंड्स ट्रस्ट।
- **भारत 1982 में रामसर कन्वेंशन में शामिल हुआ।**

तथ्य -

- **भारत में कुल रामसर स्थल:** 93
- **रामसर स्थलों की सर्वाधिक संख्या:** तमिलनाडु (20)
- **भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थल:** सुंदरबन (पश्चिम बंगाल)
- **भारत में सबसे छोटा रामसर स्थल:** रेणुका वेटलैंड (हिमाचल प्रदेश)
- **2025 में जोड़े जाने वाले अन्य स्थल:** राजस्थान से मेनार वेटलैंड कॉम्प्लेक्स, खीचन वेटलैंड।
- **वैश्विक स्थिति - भारत:** विश्व में तीसरा स्थान (यूके - 176, मैक्सिको - 144 के बाद)

स्रोत: पीआईबी

एस्ट्रोसैट(Astrosat)

संदर्भ

एस्ट्रोसैट ने अपने संचालन का एक दशक पूरा कर लिया।

एस्ट्रोसैट के बारे में -

- **प्रक्षेपणकर्ता**: इसरो
- **लॉन्च तिथि**: 28 सितंबर 2015
- **प्रक्षेपण यान**: पीएसएलवी-सी30
- **विशेषताएँ:**
  - **भारत का पहला समर्पित खगोल विज्ञान उपग्रह।**
  - खगोलीय पिंडों का एक साथ बहु-तरंगदैर्ध्य अवलोकन प्रदान करता है।
  - एक्स-रे, पराबैंगनी (निकट और दूर), और सीमित ऑप्टिकल रेंज को कवर करता है।
  - **ऊर्जा कवरेज:** 0.3 केवी से 100 केवी।
- **पेलोड:**
  - **UVIT (अल्ट्रा-वायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप):** सुदूर-UV, निकट-UV, सीमित प्रकाशीय।
  - **LAXPC (लार्ज एरिया एक्स-रे प्रोपोर्शनल काउंटर):** उच्च समय विभेदन एक्स-रे अध्ययन (3–80 keV)।
  - **SXT (सॉफ्ट एक्स-रे टेलीस्कोप):** 0.3–8 keV बैंड में इमेजिंग।
  - **CZTI (कैडमियम ज़िंक टेल्यूराइड इमेजर):** हार्ड एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी (10–100 keV)।
  - **SSM (स्कैनिंग स्काई मॉनिटर):** एक्स-रे क्षणिकों का पता लगाता है और उनकी निगरानी करता है।

स्रोत: द हिंदू

राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA)

संदर्भ

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को NSA के तहत हिरासत में लिया गया।

NSA के बारे में -

- **1980 में अधिनियमित**
- **निवारक निरोध कानून (दंडात्मक नहीं) -** सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरों को रोकने के लिए व्यक्तियों को हिरासत में लेने की अनुमति देता है।
- यह पूर्ववर्ती कानूनों जैसे **निवारक निरोध अधिनियम, 1950** और **आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (मीसा), 1971** (जो आपातकाल के दौरान कुख्यात था, जिसे 1978 में निरस्त कर दिया गया) का उत्तराधिकारी है।
- **प्रमुख प्रावधान:**
  - **नजरबंदी का उद्देश्य:** "भारत की रक्षा, भारत की सुरक्षा, विदेशी शक्तियों के साथ संबंधों, सार्वजनिक व्यवस्था, या आवश्यक आपूर्ति/सेवाओं के लिए हानिकारक" कार्यों को रोकना।
  - **कौन हिरासत में ले सकता है:** केंद्र या राज्य सरकारें,
    - जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस आयुक्त, जब अधिकृत हों।
  - **नजरबंदी की अवधि:** 12 महीने तक (इससे पहले भी रद्द किया जा सकता है)।
    - बंदी को 5 दिनों के भीतर (जिसे 15 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है) नजरबंदी के आधार के बारे में सूचित किया जाना चाहिए।
  - **समीक्षा तंत्र:** उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का एक सलाहकार बोर्ड 3 सप्ताह के भीतर मामलों की समीक्षा करता है।
    - यदि बोर्ड को कोई पर्याप्त कारण नहीं मिलता है तो बंदी को रिहा कर दिया जाना चाहिए।
  - **बंदी के अधिकार:** सरकार के समक्ष प्रतिनिधित्व का अधिकार।
    - लेकिन सलाहकार बोर्ड के समक्ष कानूनी प्रतिनिधित्व का कोई अधिकार नहीं है।
    - सरकार "जनहित में" तथ्यों को रोक सकती है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

समाचार में प्रजातियाँ

सिंधु नदी डॉल्फिन	**समाचार?** शोधकर्ताओं ने सिंधु नदी की डॉल्फिनों में माइक्रोप्लास्टिक के अंतर्ग्रहण में वृद्धि पाई है। **सिंधु नदी डॉल्फ़िन के बारे में -** ● **वितरण:** यह केवल पाकिस्तान और भारत में निचली सिंधु नदी प्रणाली में पाई जाती है। ○ भारत में: यह केवल पंजाब में ब्यास नदी के एक छोटे से भाग में पाई जाती है। ● **विशेषताएँ:** ○ कीचड़ भरी नदियों में रहती है, कार्यात्मक रूप से अंधी होती है। ○ **रंग**: धूसर-भूरा। ○ **शरीर**: गोल और मजबूत। ○ **पेट**: हल्का सफेद या गुलाबी। ○ **कूबड़**: पीठ पर छोटा त्रिकोणीय कूबड़ (नर में अधिक स्पष्ट)। ○ **आकार**: 7 से 8.5 फीट लंबी, 150-200 पाउंड वजन। ○ **आहार:** मछली (मुख्यतः), छोटे अकशेरुकी (क्लैम और झींगा)। ○ **नेविगेट करने, संवाद करने और शिकार का पीछा करने के लिए इकोलोकेशन पर निर्भर रहती है।** ● **संरक्षण की स्थिति:** ○ **IUCN स्थिति: लुप्तप्राय (EN)** ○ **CITES**: परिशिष्ट I ○ **CMS**: परिशिष्ट II ○ **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 (भारत)**: अनुसूची I **स्रोत:** द हिंदू

समाचार में स्थान

ग्रीस(Greece)

समाचार? वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि ग्रीस में दो पड़ोसी ज्वालामुखी, सेंटोरिनी और कोलुम्बो, एक साझा मैग्मा कक्ष द्वारा जुड़े हुए हैं।

ग्रीस के बारे में -

- **अवस्थिति**: दक्षिण-पूर्वी यूरोप, यूरोप, एशिया और अफ्रीका के चौराहे पर।
- **राजधानी**: **एथेंस**
- **सीमा:**
  - **देश**: अल्बानिया, उत्तर मैसेडोनिया, बुल्गारिया, तुर्की।
  - **समुद्र:** एजियन सागर, आयोनियन सागर, भूमध्य सागर
- **मुख्य जानकारी:**
  - **भूगोल**: पहाड़ी भूभाग वाली मुख्य भूमि और एजियन तथा आयोनियन सागर में हजारों द्वीप।
    - भूमध्य सागरीय भूकंपीय क्षेत्र का हिस्सा
    - **ज्वालामुखी**: एजियन सागर(सेंटोरिनी, कोलुम्बो, मेथाना, मिलोस, निसिरोस) में उल्लेखनीय ज्वालामुखी चाप।
      - सेंटोरिनी ऐतिहासिक रूप से मिनोअन विस्फोट (1600 ईसा पूर्व) के लिए महत्वपूर्ण है, जो मानव इतिहास में सबसे बड़े विस्फोटों में से एक है।
  - **यूरोपीय संघ (EU)** और **यूरोज़ोन** का सदस्य।
  - **सांस्कृतिक**: पश्चिमी सभ्यता के पालने के रूप में जाना जाता है।
    - लोकतंत्र, दर्शन और ओलंपिक खेलों का जन्मस्थान।

स्रोत: द हिंदू

मुख्य परीक्षा

भारत के कामकाजी युवाओं में अकेलापन

संदर्भ

तेजी से शहरीकरण और पलायन कर रहे कार्यबल के साथ भारत अब बेंगलुरु, गुरुग्राम, पुणे और हैदराबाद जैसे शहरों में "अकेलेपन की महामारी" का सामना कर रहा है।

- **अकेलापन सिर्फ़ सामाजिक मेलजोल का अभाव नहीं, बल्कि सार्थक सामाजिक बंधनों का अभाव है। यह वांछित रिश्तों और वास्तविक सामाजिक जुड़ाव के बीच के अंतर को दर्शाता है।**
- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ, 2021)** के अनुसार, अकेलेपन को अब एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती माना जाता है, जो अवसाद, चिंता और खराब शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है।
- 14 कॉर्पोरेट संगठनों (2024) में किए गए सर्वेक्षण में पाया गया:
  - 56% युवा कर्मचारियों ने अकेलापन महसूस करने की बात स्वीकार की।
  - 23% ने इसका अनुभव किया लेकिन खुले तौर पर इनकार किया।
  - महिलाओं (64%) ने पुरुषों (36%) की तुलना में अकेलेपन को अधिक व्यक्त किया।
  - **डेटिंग ऐप का उपयोग**: 4% महिलाएं बनाम 19% पुरुष।
- वैश्विक स्तर पर, **मेटा-गैलप सर्वेक्षण (2023)** ने बताया कि लगभग **24% युवा वयस्क (15-29)** अक्सर अकेलेपन का अनुभव करते हैं।

कामकाजी युवाओं में अकेलेपन के कारण -

- **शहरी प्रवासन और विस्थापन:** युवा कर्मचारी अपने प्राथमिक सामाजिक समूहों (परिवार, समुदाय, गृहनगर नेटवर्क) को छोड़ देते हैं और नए, सार्थक संबंध बनाने के लिए संघर्ष करते हैं।
- **कार्य-केन्द्रित जीवनशैली:** लंबे कार्य घंटे, गिग-आधारित रोजगार और प्रतिस्पर्धी कॉर्पोरेट संस्कृति व्यक्तिगत संबंधों को पोषित करने के अवसरों को कम कर देती है।
- **बदलते सामाजिक मानदंड:** व्यक्तिवाद में वृद्धि और रिश्तों की तुलना में करियर को प्राथमिकता देना।
- **सतही सामाजिकरण:** मित्रता प्रायः सहकर्मियों और पार्टी मंडलियों तक ही सीमित रहती है, तथा उसमें भावनात्मक गहराई का अभाव होता है।
- **प्रौद्योगिकी और आभासी रिश्ते:** दीर्घकालिक साथी के स्थान पर डेटिंग ऐप्स, सोशल मीडिया और आकस्मिक मुलाकातों पर निर्भरता से तात्कालिक संतुष्टि तो मिलती है, लेकिन संबंध सतही हो जाते हैं।
- **विवाह और परिवार का स्थगन:** विवाह और रिश्तों में देरी के कारण, कई लोग अपने मुख्य कार्य वर्षों के दौरान भावनात्मक रूप से असमर्थित रहते हैं।

अकेलेपन के प्रभाव -

व्यक्ति पर

- **मानसिक स्वास्थ्य:** चिंता, अवसाद, तनाव और "बर्नआउट सिंड्रोम"।
- **शारीरिक स्वास्थ्य:** अध्ययनों से पता चलता है कि अकेलेपन से हृदय रोग, अनिद्रा और कमजोर प्रतिरक्षा का खतरा बढ़ जाता है।

- **पहचान संकट:** अपनेपन की भावना का नुकसान और अलगाव में वृद्धि।

परिवार पर

- प्रवास के कारण संयुक्त परिवार के संबंधों का कमजोर होना।
- युवा पेशेवरों के माता-पिता से दूर रहने के कारण अंतर-पीढ़ीगत संबंध कम हो जाते हैं।
- अधिक काम और डिजिटल विकर्षण के कारण विवाह या साझेदारी में भावनात्मक दूरी।

रिश्तों पर

- लेन-देन संबंधी और अल्पकालिक संबंधों (हुकअप संस्कृति, आकस्मिक डेटिंग) का उदय।
- मानवीय संबंधों में विश्वास और पारस्परिकता में गिरावट।
- पारंपरिक सामुदायिक नेटवर्क का विखंडन।

समाज पर

- सामाजिक परमाणुकरण में वृद्धि - भौतिक निकटता के बावजूद व्यक्ति अलग-थलग रह रहे हैं।
- नागरिक सहभागिता एवं सामुदायिक भागीदारी में गिरावट का जोखिम।
- शहरी क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य संकट में वृद्धि, उत्पादकता और सामाजिक स्थिरता पर प्रभाव।
- अरेंज मैरिज का पुनः प्रचलन और जीवनसाथी के चयन में अभिभावकों की भागीदारी के रूप में संभावित प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

आगे की राह -

- **कार्य-जीवन संतुलन नीतियाँ**
  - कॉर्पोरेट मानव संसाधन को मानसिक स्वास्थ्य सहायता, लचीले कार्य घंटे और तनाव कम करने के उपायों को एकीकृत करना होगा।
- **सामाजिक पूंजी को मजबूत करना**
  - कार्यस्थलों और शहरी पड़ोस में सहकर्मी नेटवर्क, सांस्कृतिक क्लबों और समुदाय-आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।
- **जिम्मेदारी के साथ प्रौद्योगिकी**
  - डेटिंग ऐप्स और सोशल प्लेटफॉर्म को केवल तात्कालिक संतुष्टि ही नहीं, बल्कि सार्थक बातचीत को भी बढ़ावा देना चाहिए।
- **मानसिक स्वास्थ्य अवसंरचना**
  - सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को अकेलेपन और सामाजिक अलगाव को प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के रूप में एकीकृत करना चाहिए।
- **सांस्कृतिक एंकरिंग**
  - अंतर-पीढ़ीगत रहने के स्थानों, शहरी सामुदायिक केंद्रों को बढ़ावा देना, तथा युवाओं को सांस्कृतिक और पारिवारिक जड़ों से पुनः जोड़ना।
- **समाजशास्त्रीय हस्तक्षेप**
  - दुर्खीम के सामाजिक एकजुटता के विचार से प्रेरणा लेते हुए, नीतियों को अराजकता को रोकने के लिए सामूहिक संबद्धता का निर्माण करना चाहिए।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारत को खाद्य और ईंधन के लिए रणनीतिक साझेदारी की आवश्यकता है

संदर्भ

भारत को अनिश्चित वैश्विक परिवेश में खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए फॉस्फेट जैसे प्रमुख उर्वरक इनपुट की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्राकृतिक गैस जैसे ईंधन स्रोतों में विविधता लाने के लिए रणनीतिक अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियां बनानी होंगी।

भारत की खाद्य और ईंधन पर निर्भरता की वर्तमान स्थिति -

- **उर्वरक पर निर्भरता**
  - **भारत विश्व में उर्वरकों का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।**
  - यूरिया उत्पादन का 90% आयातित प्राकृतिक गैस पर निर्भर करता है।
  - फॉस्फेटिक उर्वरकों (डीएपी, एसएसपी, टीएसपी) के लिए आयातित फॉस्फेट रॉक या फॉस्फोरिक एसिड की आवश्यकता होती है।
  - **पोटाश (K) 100% आयातित है।**
  - **मोरक्को विश्व के फॉस्फेट भंडार के लगभग 70% पर नियंत्रण रखता है, जो इसे एक महत्वपूर्ण साझेदार बनाता है।**
- **ईंधन पर निर्भरता**
  - भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 85% तथा प्राकृतिक गैस की आवश्यकता का 50% आयात करता है।
  - बढ़ते वैश्विक तनाव (रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया संघर्ष) ने ईंधन बाजारों को अस्थिर बना दिया है।
- **जनसंख्या दबाव:** वर्तमान जनसंख्या: **1.45 बिलियन, 2050 तक 1.66 बिलियन अनुमानित** ⟶ खाद्य और उर्वरकों की बढ़ती मांग।

रणनीतिक साझेदारियों की आवश्यकता क्यों है -

- **भू-राजनीतिक जोखिम**: अनिश्चित अमेरिकी नीतियां (शुल्क, एच-1बी वीजा शुल्क, भारतीय निर्यात को लक्षित करना) और पश्चिम एशियाई अस्थिरता आपूर्ति लाइनों को प्रभावित करती हैं।
- **भौगोलिक संकेन्द्रण**: उर्वरक कच्चे माल (फॉस्फेट, पोटाश) पर कुछ ही देशों का नियंत्रण है, जिससे मूल्य में उतार-चढ़ाव का जोखिम बढ़ जाता है।
- **घरेलू बाधाएँ**: भारत के पास फॉस्फेट और पोटाश के अपने भंडार नगण्य हैं; आत्मनिर्भरता संभव नहीं है।
- **मूल्य अस्थिरता**: वैश्विक उर्वरक और ईंधन की कीमतों में अचानक वृद्धि से भारत में किसानों और खाद्य मुद्रास्फीति पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

केस स्टडी: भारत-मोरक्को साझेदारी -

- **मोरक्को का ओसीपी समूह दुनिया का सबसे बड़ा फॉस्फेट उत्पादक है।**
- पारादीप फॉस्फेट्स में हिस्सेदारी है।
- मोरक्को में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की रक्षा फैक्ट्री की सफलता दर्शाती है कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त उद्यम पारस्परिक रूप से लाभकारी हो सकते हैं।
- **अवसर**: भारतीय कृषि के लिए डीएपी, एसएसपी और टीएसपी की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मोरक्को में संयुक्त खनन और उर्वरक संयंत्र स्थापित करना।

अन्य आपूर्तिकर्ताओं के साथ भू-राजनीतिक जोखिम -

- **सऊदी अरब का उदाहरण**
  - सऊदी अरब से प्रतिवर्ष 3 मिलियन टन फॉस्फेट आयात के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
  - हालाँकि, सऊदी अरब ने इसके साथ ही पाकिस्तान के साथ रणनीतिक रक्षा साझेदारी भी कर ली, जिससे भारत के लिए अनिश्चितताएं पैदा हो गईं।
- **रूस-यूक्रेन युद्ध का प्रभाव**
  - ऊर्जा बाजार अस्थिर बना हुआ है; अमेरिका ने रूस से कच्चे तेल की निरंतर खरीद के लिए भारत की आलोचना की है।
  - अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ और वीज़ा प्रतिबंधों से भारत का बाह्य तनाव और बढ़ गया है।

आगे की राह -

- **अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त उद्यमों को मजबूत करना:** फॉस्फेट के लिए मोरक्को के साथ साझेदारी को गहरा करना तथा पोटाश के लिए अफ्रीका, रूस और लैटिन अमेरिका में संयुक्त उद्यमों की संभावना तलाशना।
- **ऊर्जा आयात में विविधता लाना:** कतर, ऑस्ट्रेलिया, मोजाम्बिक और अमेरिका जैसे विश्वसनीय साझेदारों के साथ दीर्घकालिक एलएनजी अनुबंध सुरक्षित करना।
- **घरेलू उर्वरक नीति में सुधार:**
  - संतुलित उर्वरक उपयोग (अधिक P&K, कम यूरिया) को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाना।
  - डीएपी पर अत्यधिक निर्भरता के बजाय यूरिया के साथ टीएसपी (46% P_2O_5) के उपयोग को बढ़ावा देना।
- **व्यावहारिकता के साथ आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना:** घरेलू उर्वरक उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना, लेकिन कच्चे माल की सीमाओं को स्वीकार करना।
  - वैकल्पिक उर्वरकों (जैव-उर्वरक, नैनो-उर्वरक) में निवेश करना।
- **कूटनीतिक संतुलन**
  - कृषि और ऊर्जा कूटनीति को भारत की विदेश नीति के केंद्रीय स्तंभ के रूप में उपयोग करना।
  - न केवल आयात के लिए बल्कि वैश्विक उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण के लिए भी साझेदारी का निर्माण करना।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस